समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 27 August 2026

“पाहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को जवाब देने का मौका भारत ने गंवाया : ओवैसी”

Sanket Morankar   Published on 01 Oct 2025

AIMIM के प्रमुख और हैदराबाद से सांसद **असदुद्दीन ओवैसी** ने एक बार फिर से केंद्र सरकार की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति पर सवाल उठाए हैं। मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि **पाहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को करारा जवाब देने का जो सुनहरा मौका था, उसे सरकार ने गवां दिया।**

ओवैसी का यह बयान उस समय आया है जब देश में आतंकवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग तेज हो रही है, और पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवादी गतिविधियों पर आम जनता में गुस्सा साफ दिखाई दे रहा है।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा:

> *“[illegible]”*

उन्होंने कहा कि सरकार ने इस मौके पर “राजनीतिक चुप्पी” बनाए रखी और एक मजबूत सैन्य संदेश देने का मौका गवां दिया।

ओवैसी ने अपने बयान में हाल ही में भारत-पाकिस्तान सीमा पर देखी गई **ड्रोन गतिविधियों** का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि:

> *“[illegible]*

[illegible]”

ओवैसी ने सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि वह सिर्फ चुनावों के दौरान ही पाकिस्तान के खिलाफ आक्रोश दिखाती है, लेकिन असल में कोई ठोस रणनीति नहीं है। उन्होंने कहा कि:

“[illegible]”

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह सवाल भी किया कि आखिर क्या कारण है कि पाहलगाम जैसे गंभीर हमले के बाद भी कोई सैन्य प्रतिक्रिया नहीं दी गई?

सितंबर 2025 में जम्मू-कश्मीर के **पाहलगाम** इलाके में आतंकी हमला हुआ था जिसमें सुरक्षाबलों के कई जवान शहीद हुए थे। यह हमला तब हुआ जब सीमा पर पहले से ही तनाव का माहौल था और पाकिस्तान की ओर से कई बार संघर्ष विराम का उल्लंघन किया जा चुका था।

हमले की जिम्मेदारी एक पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन ने ली थी। इसके बाद देशभर में विरोध और आक्रोश देखा गया। बावजूद इसके सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कोई सैन्य प्रतिक्रिया नहीं दी, जिससे अब विपक्ष सवाल उठा रहा है।

ओवैसी के बयान के बाद सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे को लेकर बहस शुरू हो गई है। कुछ लोग सरकार की रणनीति को समर्थन दे रहे हैं और मानते हैं कि संयम सबसे अच्छा विकल्प है, जबकि अन्य लोग यह मानते हैं कि आतंकवाद के खिलाफ अब और नरमी नहीं बरती जानी चाहिए।

हालांकि भाजपा की तरफ से इस बयान पर औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन पार्टी सूत्रों का कहना है कि:

“[illegible]”

असदुद्दीन ओवैसी का यह बयान सरकार की पाकिस्तान नीति और आतंकवाद के खिलाफ रुख पर एक बार फिर बहस को जन्म देता है। एक ओर जहां वह सरकार पर ‘**मौका गंवाने**’ का आरोप लगा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर यह सवाल भी खड़ा हो गया है कि क्या भारत को आतंकवाद के खिलाफ अपनी रणनीति में और आक्रामक होना चाहिए?

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.